



॥ श्री गंगा आराधना ॥
॥ ॐ जय गंगे माता ॥

FULL DISCLAIMER

This book is for educational, inspirational, and cultural purposes only. The remedies, rituals, affirmations, breathing methods, and spiritual practices described are based on traditional beliefs, historical customs, and personal development principles. They are not guaranteed solutions.

This book does not replace advice from licensed doctors, psychologists, financial advisors, lawyers, or other qualified professionals. If you have medical symptoms, mental health concerns, legal matters, or financial risk, seek professional help.

Use all remedies responsibly, ethically, peacefully, and according to local law. Do not use fire, herbs, fasting, incense, or physical practices in unsafe ways. The author and publisher are not liable for misuse.

Results in life depend on effort, discipline, timing, environment, skill, and many other factors. No spiritual method guarantees money, marriage, success, healing, or protection.

Hargharpanditji

"PUJA ON YOUR SCREEN, BLESSINGS
AT YOUR DOOR"

॥ श्री गंगा आराधना ॥

ॐ श्री गङ्गायै नमः।

हे माँ गंगे!

देवताओं द्वारा वंदित, भगवान विष्णु के चरणों से प्रकट होकर भगवान शिव की जटाओं में विराजमान, समस्त जगत को पवित्र करने वाली

भगवती! आपको मेरा कोटि-कोटि प्रणाम।

हे पतित-पावनी माँ!

आपके पावन जल का स्पर्श ही मन, वचन और कर्म से हुए पापों का नाश करने वाला है। आपकी कृपा से जीवन में शुद्धता, शांति, आरोग्य और आध्यात्मिक प्रकाश का संचार होता है।

हे भागीरथी!

राजा भागीरथ के महान तप से पृथ्वी पर अवतरित होकर आपने असंख्य जीवों का उद्धार किया। आज भी आपके तट पर किया गया स्नान, दान, जप, तप और ध्यान अनंत पुण्य प्रदान करता है।

हे जाह्नवी!

आप दया, करुणा और क्षमा की साक्षात् मूर्ति हैं। हमारे हृदय से अहंकार, क्रोध, लोभ, मोह और ईर्ष्या का अंधकार दूर करें तथा सत्य, प्रेम, सेवा और धर्म के मार्ग पर चलने की प्रेरणा दें।

हे त्रिपथगा!

स्वर्ग, पृथ्वी और पाताल तीनों लोकों में प्रवाहित होकर समस्त प्राणियों का कल्याण करने वाली माँ! हमारे परिवार पर अपनी कृपा-दृष्टि बनाए रखें। हमें उत्तम स्वास्थ्य, सद्बुद्धि, समृद्धि, सौभाग्य और धर्ममय जीवन प्रदान करें।

हे मोक्षदायिनी गंगे!

हमारे समस्त दोषों, पापों और कष्टों को दूर कर हमें निष्काम भक्ति, निर्मल हृदय और ईश्वर के प्रति अटूट श्रद्धा प्रदान करें। हमारे जीवन को आपके पवित्र जल के समान स्वच्छ, निर्मल और कल्याणकारी बनाएं।

हे करुणामयी जननी!

जिन नदियों, जलस्रोतों और प्रकृति ने हमें जीवन दिया है, उनकी रक्षा करने का संकल्प, सेवा का भाव और पर्यावरण के प्रति उत्तरदायित्व भी हमें प्रदान करें।

प्रार्थना

गङ्गे च यमुने चैव गोदावरि सरस्वति।
नर्मदे सिन्धु कावेरि जलेऽस्मिन् सन्निधिं कुरु॥
ॐ श्री गङ्गायै नमः।
ॐ भागीरथ्यै नमः।
ॐ जाह्नव्यै नमः।
ॐ त्रिपथगायै नमः।

समर्पण

हे माँ गंगे!

यह आराधना, यह प्रार्थना और यह भक्ति आपके श्रीचरणों में समर्पित है।
कृपया हमारी सभी भूलों को क्षमा करें और अपने दिव्य आशीर्वाद से हमारे जीवन को सदैव पवित्र, मंगलमय और सफल बनाए रखें।

॥ हर हर गंगे ॥

॥ जय माँ गंगे ॥